लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1339

19 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

सेल का उत्पादन

1339. श्री हेमन्त पाटिलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सेल के इस्पात संयंत्रों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु इनका विस्तार किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह कार्य पूरा हो गया है तथा इसके पश्चात उन इस्पात संयंत्रो के पूर्व उत्पादन की तुलना में उनकी उत्पादन क्षमता में कितनी वृद्धि हुई है; और

(ग) यदि नही, तो यह कार्य कब तक पूरा होगा तथा कार्य पूरा होने के उपरान्त देश में इस्पात उत्पादन में आशातीत वृद्धि का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी क्रूड इस्पात क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से 21.4 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) के अपने पाँच एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम (तमिलनाडु) के विशेष इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य आरंभ किया था।

(ख) और (ग): उपरोक्त इस्पात संयंत्रों में आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है और विभिन्न सुविधाएं परिचालन, स्थिरीकरण और उन्नयन के अधीन हैं। सेल के प्रमुख इस्पात संयंत्रों की क्रूड इस्पात उत्पादन क्षमता (आधुनिकीकरण और विस्तार के पहले और बाद) का संयंत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(इकाई: एमटीपीए)

संयंत्र	आधुनिकीकरण और विस्तार के पहले	आधुनिकीकरण और विस्तार के बाद
भिलाई इस्पात संयंत्र	3.93	7.0
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1.8	2.2
राउरकेला इस्पात संयंत्र	1.9	4.2
बोकारो इस्पात संयंत्र	4.36	4.61
इस्को इस्पात संयंत्र	0.5	2.5
सेलम इस्पात संयंत्र	0	0.18
अलॉय इस्पात संयंत्र	0.23	0.50
विश्वेश्वरैया लोहा और इस्पात संयंत्र	0.12	0.20
कुल	12.8	21.4

****